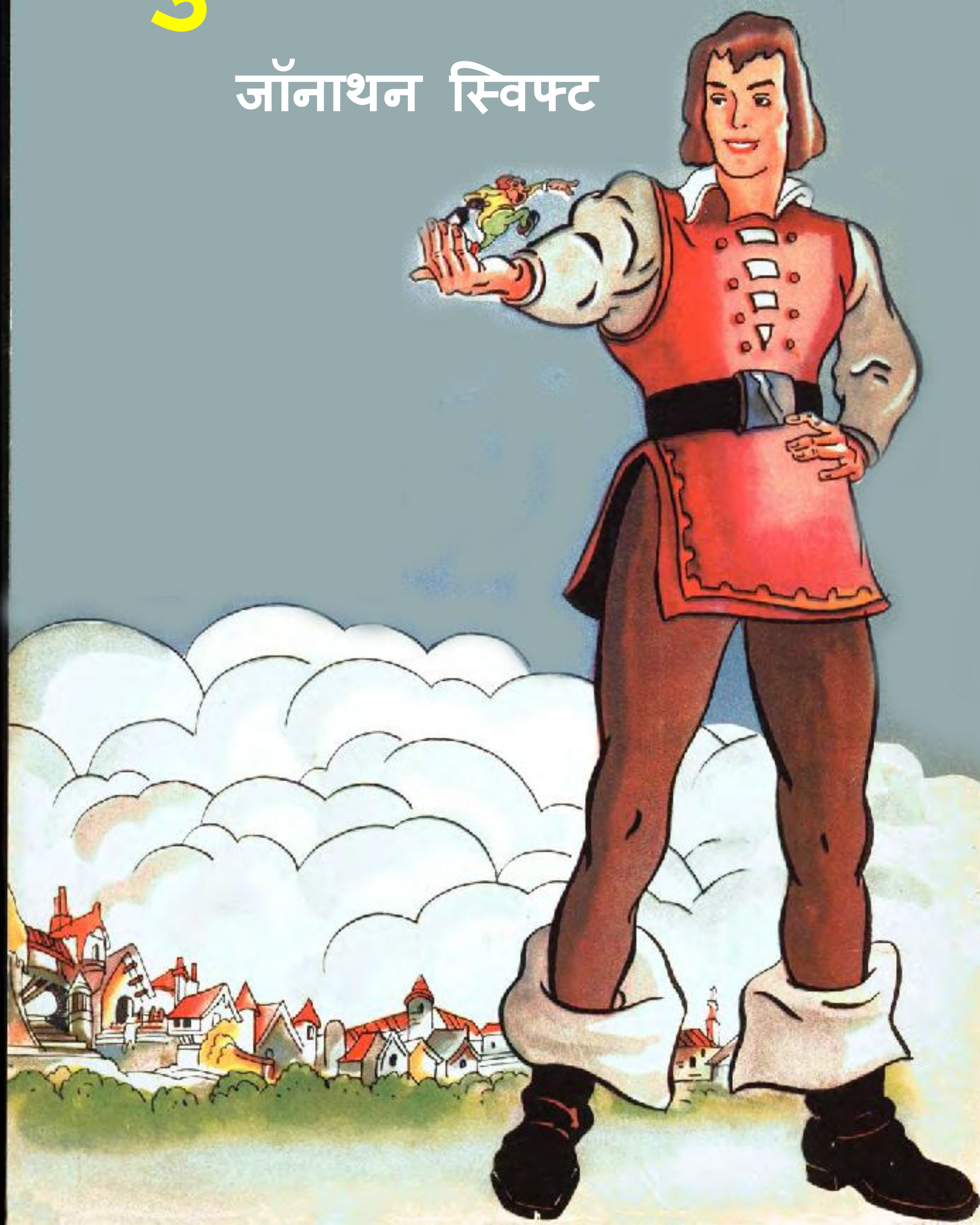
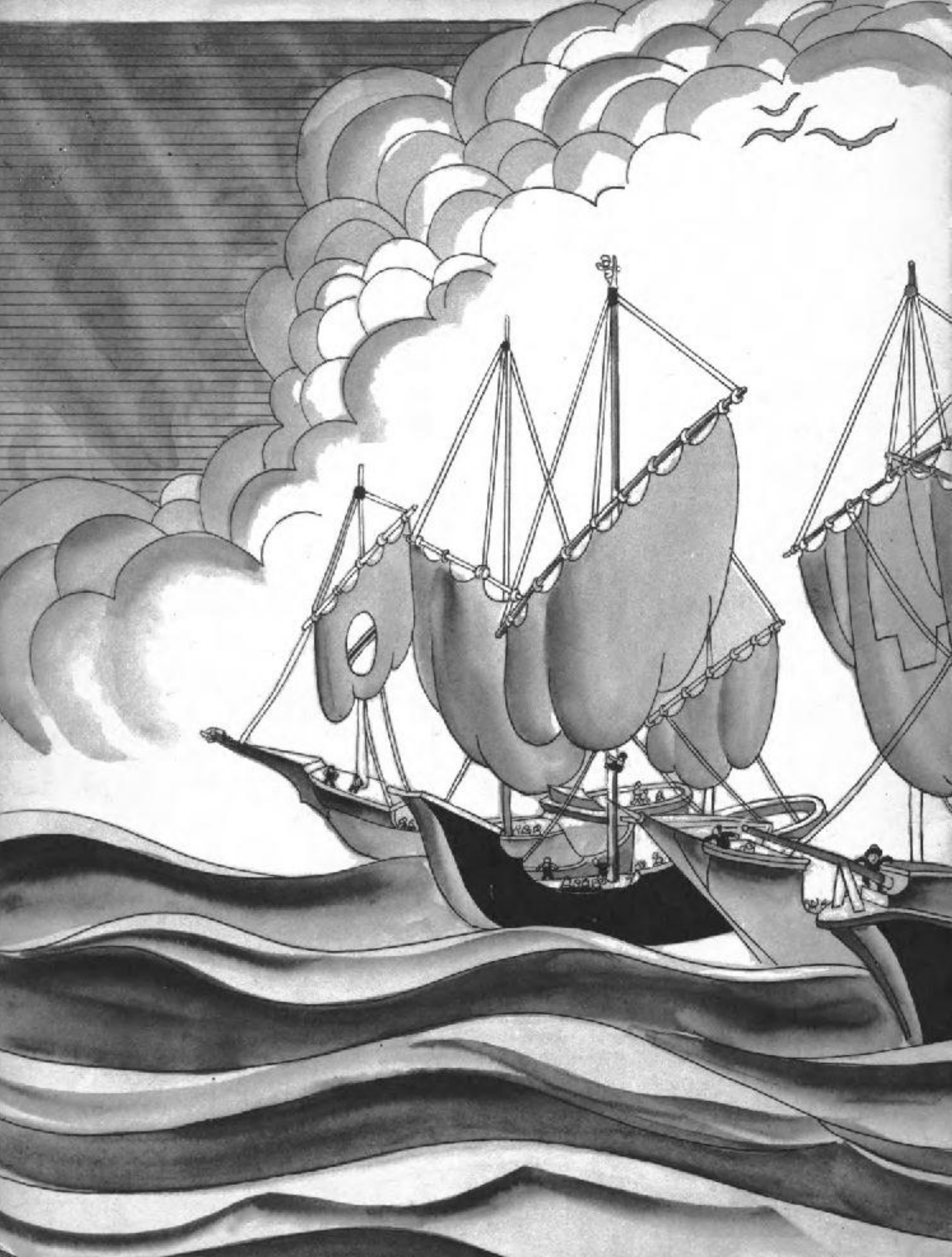
गुलीवर की यात्रा

जॉनाथन स्विफ्ट







गुलीवर की यात्रा

जॉनाथन स्विफ्ट





गुलीवर : एक साहसी नाविक है जिसका जहाज़ समुद्र में एक टापू के पास ध्वस्त हो जाता है. उसे सबसे पहले खोजता है ...

गैबी : शहर का घोषणाकरता. वो लिलीपुट के लोगों की रक्षा करता है. गुलीवर दूर-दराज़ के एक राज्य लिलीपुट में है जिसके राजा हैं ...

छोटा राजा : वो एक खुशमिजाज़ राजा हैं और उनकी बेटी का नाम है ....

राजकुमारी ग्लोरी : जो देखने में बेहद सुन्दर है. उसकी मंगनी हो चुकी है और शादी होने वाली है एक राजकुमार से जिसका नाम है ...

राजकुमार डेविड : वो बहुत खूबसूरत और साहसी है. उसके पिता हैं ....

राजा बोम्बो : वो पास के टापू के राजा हैं. उनकी बहुत बड़ी नौ-सेना है और उनके तीन बेहद खतरनाक जासूस हैं – **स्नूप, स्निच** और **स्नीक.**



बहुत पुराने ज़माने की बात है. एक अंग्रेज़ नाविक गुलीवर का जहाज़ विशाल समुद्र में कहीं ध्वस्त हो गया. तूफ़ान बहुत ज़बरदस्त था. समुद्र में बहुत ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही थीं. पर गुलीवर बड़ा साहसी और बलवान था. वो किसी तरह तैरते-तैरते एक टापू पर जा पहुंचा. वहां के तट पर चिकनी रेत थी. गुलीवर थक कर चूर-चूर हो गया था. वो तट पर पहुँचते ही रेत पर सो गया.

सोते समय गुलीवर को कोई अंदाज़ नहीं था कि वो कहाँ पहुंचा था. दरअसल वो लिलीपुट राज्य में था. वैसे लिलीपुट दुनिया का एक अजीब देश था. वहां के लोग बहुत छोटे बौने थे. लोगों की ऊंचाई एक अंगूठे जितनी थी. न केवल उस देश के लोग, वहां हर चीज़ – फूल, घर और जानवर भी बहुत छोटे-छोटे थे. आप चाहें तो दर्जन भर घोड़ों को अपनी हथेली पर टिका सकते थे. या अपनी छोटी उंगली से वहां के सबसे बड़े पेड़ को गिरा सकते थे.

जब गुलीवर सो रहा था तो एक छोटा बौना अपने हाथ में लालटेन लिए उसके हाथ से जा टकराया. उस बौने का नाम गैबी था. गैबी लिलीपुट का घोषणकर्ता था. उसका काम लिलीपुट के लोगों की रक्षा करना था. अगर कोई मुसीबत आती तो उसका काम तुरंत लिलीपुट के लोगों को उसकी चेतावनी देना था.





जब गैबी ने गुलीवर को देखा तो पहले तो वो खुद डर से सहम गया. यह शायद किसी के साथ भी होता. अगर आप अचानक खुदको एक भीमकाय राक्षस की हथेली पर खड़ा पाते तो शायद आपका भी वही हाल होता. फिर गैबी वहां से भागा-भागा शहर के चौक में पहुंचा और उसने अपनी इस खोज के बारे में सारे शहरवासियों को बताया.



गैबी द्वारा सुनाई खबर सुनकर शहर के लोग बहुत उत्तेजित हुए. पर जब लोग छोटे राजा को यह खबर सुनाने गए तो महल के पहरेदारों ने उन्हें महल में घुसने ही नहीं दिया. क्यों? क्यूंकि उस समय छोटे राजा और नज़दीक के टापू के राजा बोम्बो के बीच ज़ोरदार बहस चल रही थी. वैसे दोनों राजा खुश थे क्यूंकि छोटे राजा की बेटी राजकुमारी ग्लोरी और राजा बोम्बो के बेटे राजकुमार डेविड की मंगनी हो चुकी थी. पर अब कुछ ऐसा लगने लगा था कि जैसे वो शादी कभी होगी ही नहीं.



कारण? लिलीपुट के छोटे राजा जिद्द पर अड़ गए थे कि शादी के समय लिलीपुट का राष्ट्रीय गीत “वफादार” ज़रूर बजना चाहिए. दूसरी ओर राजा बोम्बो चाहते थे कि शादी के अवसर पर उनके देश का राष्ट्रगीत “हमेशा” बजे.



"हमारी हरेक शादी में "वफादार" राष्ट्रगीत ही बजता है," छोटे राजा ने कहा. "यह लिलीपुट की पुरानी परंपरा है. वैसे वो गीत सुनने में भी बहुत मधुर है."

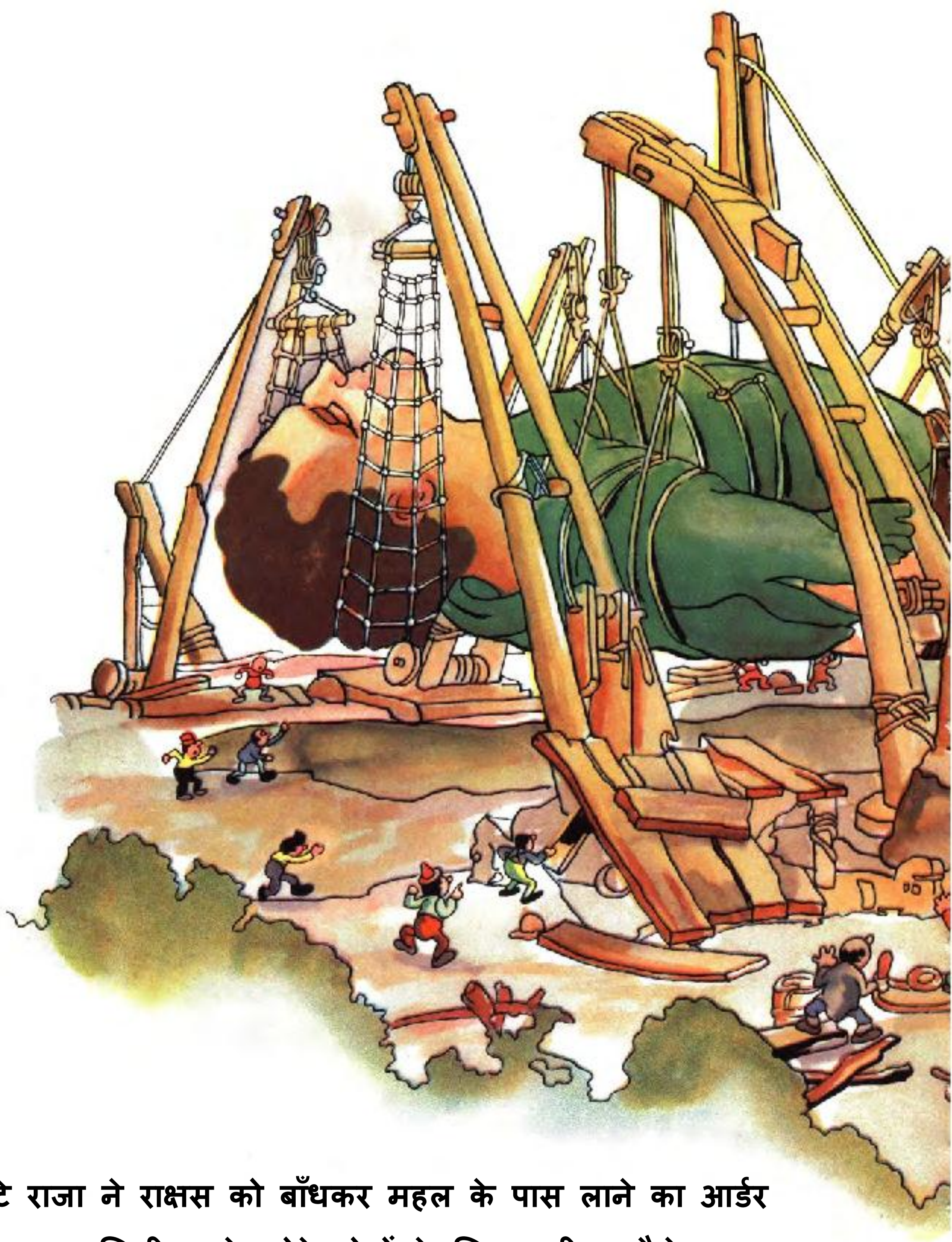
"ठीक है, वो सब मुझे पता है," राजा बोम्बो ने जवाब दिया. "वफादार" एक अच्छा गीत है. पर उस शुभ अवसर के लिए वो गीत उपयुक्त नहीं है. उस मौके पर मेरे देश का राष्ट्रगीत "हमेशा" ही जंचेगा.

"नहीं, "वफादार" ज़रूर बजेगा," छोटे राजा ने शांत पर दृढ़ आवाज़ में कहा.

“नहीं!” राजा बोम्बो चिल्लाए और फिर उनका चेहरा तमतमाने लगा. “या तो शादी पर हमारा राष्ट्रीयगान बजेगा, नहीं तो शादी ही नहीं होगी.” फिर राजा बोम्बो ने इस मसले को युद्ध द्‌वारा सुलझाने का निर्णय लिया. यह कह कर राजा बोम्बो वहां से गुस्से में निकल गए.

राजा बोम्बो के चले जाने के बाद छोटे राजा को उस घटना पर काफी दुःख हुआ. “युद्ध कोई अच्छी चीज़ नहीं है,” उन्होंने सोचा. “युद्ध में लोग मारे जाते हैं, कुछ घायल भी होते हैं.” पर छोटे राजा को युद्ध के बारे में और ज्यादा नहीं सोचना पड़ा क्यूंकि तभी गैबी उनके पास गुलीवर की खबर लेकर दौड़ा हुआ पहुंचा. छोटे राजा युद्ध के बारे में सोच सोचकर गहरे गम में डूबे थे. इसलिए जब गैबी चार बार चिल्लाया “हमारे तट पर एक राक्षस है!” तब छोटे राजा को कुछ सुध आई. उन्होंने आर्डर दिया कि सोते हुए राक्षस को तुरंत नींद में ही बाँध दिया जाए.

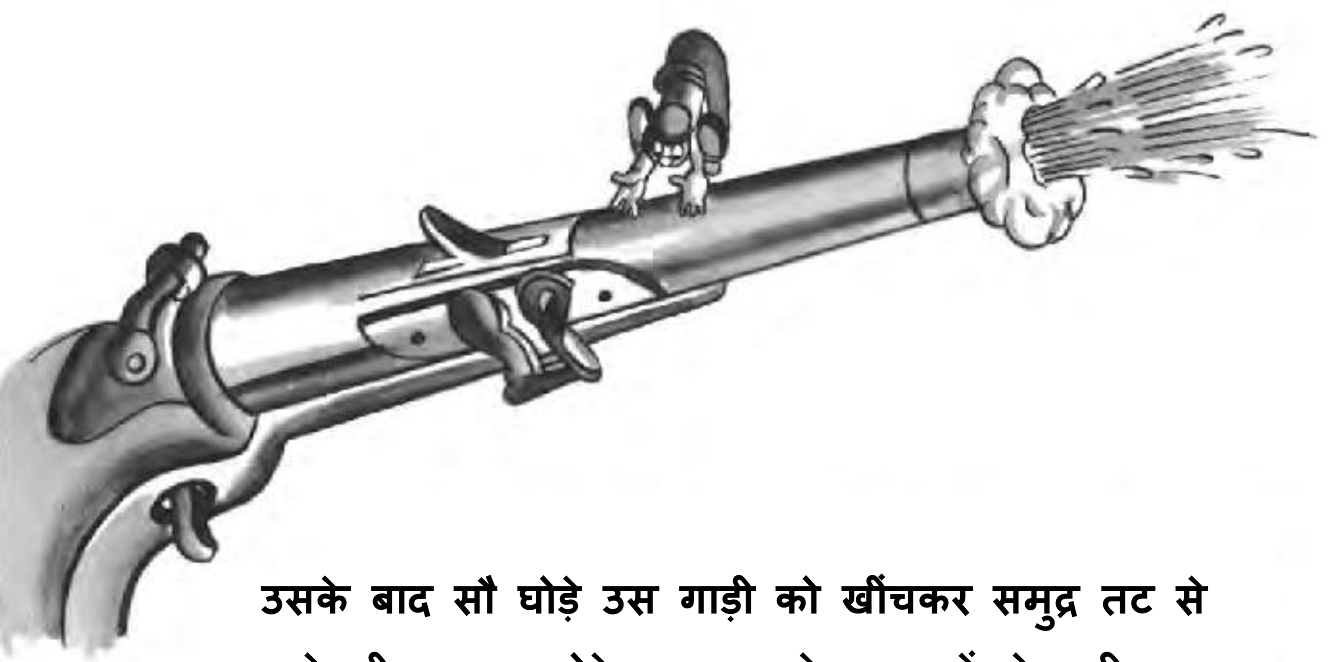




छोटे राजा ने राक्षस को बाँधकर महल के पास लाने का आर्डर भी दिया. पर लिलीपुट के छोटे लोगों के लिए गुलीवर जैसे भीमकाय राक्षस को महल तक लाना कोई आसान काम नहीं था. इसलिए लोग पूरी रात इस काम में जुटे रहे.



सुबह होने से पहले ही उन्होने गुलीवर को पतली-पतली रस्सियों से बाँध दिया. फिर उन्होंने गुलीवर को एक ख़ास तौर पर बनाई बड़ी गाड़ी में लादा.



उसके बाद सौ घोड़े उस गाड़ी को खींचकर समुद्र तट से शहर के बीच लाए. छोटे राजा अपने महल में से गुलीवर राक्षस को देखने आए. उन्होंने गुलीवर का अच्छी तरह से मुआयना किया. उसके बाद छोटे राजा ने अपने सैनिकों से उस राक्षस की जेबें तलाशने को कहा. सिपाहियों को जो चीज़ सबसे पहली मिली वो थी गुलीवर की पिस्तौल. उसके बाद गैबी ने तुरंत पिस्तौल को चलाया. लिलीपुट के छोटे लोग पिस्तौल के धमाके को सुनकर चौक गए! पिस्तौल की आवाज़ उन्हें तोप से भी ज्यादा दमदार लगी. पिस्तौल की गोली लगने से उनके शहर की एक ऊंची इमारत गिर पड़ी.

फिर क्या हुआ? पिस्तौल की आवाज़ सुनकर गुलीवर की आँख खुल गई. तब उसने महसूस किया कि उसे सैकड़ों पतली रस्सियों से बाँधा गया था. उसने जल्दी से अपने बंधनों को तोड़ा. फिर उसने आसपास देखा और इस बात का जायजा लेने की कोशिश की कि आखिर वो कहाँ था.





उस भीमकाय राक्षस को चलते हुए देखकर लिलीपुट के बौने एकदम थर्राने लगे. गैबी तो डर के मारे वहां से चीखता हुआ भागा. गुलीवर उस चीखते हुए आदमी को देखकर कुछ उत्सुक हुआ और फिर कुछ सेकंड बाद गैबी ने खुद को गुलीवर की हथेली पर खड़ा पाया. गुलीवर की मंशा गैबी को कोई नुक्सान पहुँचाने की नहीं थी. पर किसी को भी गुलीवर के दिल की बात पता नहीं थी. छोटे राजा अपने सेना को गुलीवर पर आक्रमण का आदेश देने ही वाले थे कि तभी एक सैनिक वहां दौड़ता हुआ आया. उसने छोटे राजा को बताया कि राजा बोम्बो अपने जहाजों के साथ लिलीपुट पर आक्रमण करने के लिए आगे बढ़ रहे थे. यह सुनते ही लिलीपुट के सभी निवासी गुलीवर को छोड़कर राजा बोम्बो की सेना को देखने के लिए दौड़े. उन्होंने देखा कि राजा बोम्बो के जहाज़ लिलीपुट की तरफ बढ़ रहे थे. पर वे अभी कुछ दूर थे. तभी गुलीवर उठ खड़ा हुआ और उसने लिलीपुट की तरफ बढ़ती राजा बोम्बो की नौ-सेना को देखा.



“अरे बाप रे,” राजा बोम्बो चिल्लाए, “मुझे यकीन नहीं हो रहा है. क्या यह राक्षस असली है, या नकली? यह ठीक नहीं है. वैसे मुझे बिल्कुल डर नहीं लग रहा है. फिर भी मैं सावधानी बरतना चाहता हूँ.” उसके बाद राजा बोम्बो ने अपने जहाजों का मुंह वापिस मोड़ दिया. उनकी नौ-सेना के जहाज़ अब लिलीपुट से दूर जाने लगे.

जब छोटे राजा और लिलीपुट के निवासियों ने देखा कि गुलीवर के कारण ही वे युद्ध जीते थे तब उन्होंने गुलीवर के प्रति अपना प्यार और आभार व्यक्त किया.

कुछ समय तक गुलीवर, लिलीपुट के छोटे लोगों के साथ रहकर खुश रहा. फिर उसकी छोटे राजा की बेटी राजकुमारी ग्लोरी से भी मित्रता हो गई. एक दिन राजकुमारी ने गुलीवर को अपनी पूरी रामकहानी सुनाई. दोनों राजाओं में शादी के वक्त कौन सा गीत – “वफादार” या “हमेशा” बजे इस झगड़े के कारण वो अपने प्रेमी - राजकुमार डेविड से शादी नहीं कर पाई थी. गुलीवर को यह बात बहुत बेवकूफी की नज़र आई. गुलीवर ने सुझाया कि शादी के मौके पर दोनों देशों के गीत यानि “वफादार-हमेशा” को साथ-साथ बजाया जाए! इस उम्मीद से कि वो अपने प्रेमी से शादी कर पाएगी राजकुमारी काफी खुश हुई. पर तभी ऐसा लगा कि फिर से उसकी उम्मीदों पर पानी फिर जायेगा. क्यूंकि अचानक राजकुमारी को घोड़े पर सवार राजकुमार आता दिखा. पहरेदारों से बचने के लिए तेज़ी से आ रहा था. जैसे ही गुलीवर ने यह नज़ारा देखा उसने झुककर घोड़े समेत राजकुमार को अपने हाथ से उठाया और उन्हें राजकुमारी के कमरे की बालकनी में रख दिया. अब राजकुमार पहरेदारों से सुरक्षित था.



राजकुमार और राजकुमारी दोनों एक-दूसरे को देखकर बेहद प्रसन्न हुए. उन्हें युद्ध अंत करने और शादी को संभव बनाने का गुलीवर का प्रस्ताव भी बहुत पसंद आया. पर उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि इस बीच राजा बोम्बो के तीन जासूसों – स्नूप, स्निच और स्नीक ने, गुलीवर की पिस्तौल चुरा ली थी, और राजा बोम्बो लिलीपुट पर दूसरे हमले की तैयारी कर रहा था.





राजा बोम्बो को इतना पक्का पता था कि जब तक गुलीवर उनके खिलाफ था तब तक वो कभी भी युद्ध नहीं जीत सकते थे. इसलिए राजा बोम्बो ने अपने तीनों जासूसों को एक गुप्त सन्देश भेजा:

प्रिय जासूसों,

उस राक्षस को ख़त्म करो, नहीं तो ....

तुम्हारा

राजा बोम्बो





राजा बोम्बो ने यह सन्देश अपने जासूसों के पास अपने पालतू कबूतर के हाथ भेजा. भाग्यवश गैबी ने उस कबूतर को देख लिया और उसने कबूतर से राजा बोम्बो का सन्देश छीन लिया.



फिर गैबी ने वो खबर सभी लिलीपुट के निवासियों को सुनाई. उसने लोगों को चेतावनी दी कि राजा बोम्बो उनपर दुबारा आक्रमण करने वाला था.

जैसे ही गुलीवर ने यह खबर सुनी वैसे ही वो पानी में उतरा और उसने राजा बोम्बो को अपने कब्ज़े में करने की ठानी. पर गुलीवर को इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि उसकी पिस्तौल को राजा बोम्बो के तीन जासूसों ने चुरा लिया था और अब वे उसी पिस्तौल से उसे पीछे से मारने वाले थे. तीनों जासूस पूरा दम लगाकर पिस्तौल को दागने की कोशिश कर रहे थे कि तभी राजकुमार डेविड ने उन्हें महल की खिड़की से देखा. राजकुमार ने अपने घोड़े को सरपट दौड़ाया और वो सीधा उन तीनों जासूसों से जाकर टकराया. नतीजा क्या हुआ? पिस्तौल चली, पर गोली गुलीवर को न लगकर समुद्र में दूसरी दिशा में चली गई.



राजकुमार ने यह एक बड़ी बहादुरी का काम किया था. राजकुमार के कारण ही गुलीवर की जान बची थी. पर राजकुमार अपने घोड़े पर सवार उन जासूसों से टकराने के बाद खुद ज़मीन पर गिर गया. वो ज़मीन पर ऐसे पड़ा रहा जैसे वो मर गया हो. जब दोनों राजाओं ने और उनकी सेनाओं ने राजकुमार डेविड को इस तरह ज़मीन पर पड़े देखा तो उन्हें अपनी बेशर्मी पर लज्जा आई. उन्होंने तुरंत युद्ध बंद करने की ठानी. पर राजकुमार डेविड सच में मरा नहीं था. उसे सिर्फ कुछ चोट ही आई थी. कुछ मिनटों बाद राजकुमार उठ खड़ा हुआ और राजकुमारी से मिलने के लिए दौड़ा.

यह सब देखकर लोग बेहद प्रसन्न हुए. गुलीवर को वो बहुत उपयुक्त समय लगा और उसने सुझाया कि शादी के मौके पर दोनों देशों के गीत “वफादार” और “हमेशा” बजाए जाएँ. दोनों राजाओं और लोगों को यह सुझाव बहुत पसंद आया. तब दोनों देशों के सभी लोग मिलकर “वफादार-हमेशा” दोनों गीत गाने लगे. लोग शहर की सड़कों पर नाचने और जश्न मनाने लगे.



कुछ हफ़्तों के बाद गुलीवर ने वापिस इंग्लैंड लौटने का अपना मन बनाया. अपना आभार व्यक्त करने के लिए दोनों देशों के लोगों ने मिलकर गुलीवर के लिए एक बड़ी नाव बनाई जिससे वो इंग्लैंड सुरक्षित पहुँच जाए. गुलीवर की वापसी के समय दोनों देशों के लोग एक बात पर पूरी तरह सहमत थे - शायद गुलीवर दुनिया का सबसे शरीफ और नेक राक्षस था!



